

Cotton blooms on mills' buying

Rajkot, February 13



Cotton prices gained on the back of fresh demand from domestic mills. Moreover, rise in international rates also supported upmove.

Traders said that prices may continue to increase in coming days as export demand is likely to emerge at current price.

Gujarat Sankar-6 cotton traded higher by ₹200 at ₹30,500-800 a candy of 356 kg. About 45,000 bales (of 170 kg) arrived in Gujarat and 1.75 lakh bales arrived in India. *Kapas* or raw cotton too increased as buying from ginneries improved. *Kapas* gained ₹5-7 to ₹780-810 for a *maund* of 20 kg in Gujarat and gin delivery *kapas* was quoted at ₹810-820.

OUR CORRESPONDENT

Maharashtra plans special textile park

OUR BUREAU

Mumbai, February 13

Maharashtra government plans to set up a special textile park to create eco-friendly textile and lend special assistance for establishing such industries.

Chandrakant (Dada) Patil, Textile Minister, speaking at an industry event, urged the students pursuing fashion design to conduct more research with a view to increasing implementation of such eco-friendly initiatives. Cultivating cotton in an eco-friendly manner using natural manure and conserving natural resources are the need of the hour, he said.

Addressing Consortium of Green Fashion, a programme organised jointly by School of Fashion Technology and Nirmala Niketan College of Home Science, he said 'recycle, reuse and reduce' should be the key objective.

छग के राज्यपाल करेंगे हस्तशिल्प मेले का समापन

नेशनल न्यूज़ | नई दिल्ली

सूरजकुंड के 29वें अंतरराष्ट्रीय हस्तशिल्प मेले का रविवार को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलरामदास टंडन के हाथों रंगारंग समापन होगा। छत्तीसगढ़ के इस बार थीम स्टेट के रूप में होने के कारण ही उद्घाटन अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह और पर्यटन व संस्कृति मंत्री राजेश मूणत मौजूद थे तो अब रविवार को टंडन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहेंगे।

वैसे, राज्यपाल फिलहाल चंडीगढ़ के दौरे पर हैं और शनिवार को राजधानी स्थित छत्तीसगढ़ भवन आ जाएंगे। बाद में रविवार को वे इस कार्यक्रम में शामिल होंगे और तब 15 दिन तक चलने वाले इस मेले का समापन हो जाएगा। लेकिन मेले के बारे में सैलानियों का कहना है कि इसमें न सिर्फ छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विविधता के नजारे दिखाई दिए बल्कि राज्य के वस्त्रों और सामग्रियां लोगों के मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं।

यही वजह है कि छत्तीसगढ़ के कोसा वस्त्रों व बेल मेटल की सामग्रियों का भारी मात्रा में बिक्री हुई जिससे यह मेला बच्चे-बूढ़े, युवाओं और गृहणियों के लिए खरीददारी और मस्ती का संगम बन गया। वहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनरों की मांग पर राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान और छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से एक फैशन शो भी आयोजित किया गया जिसमें कोसा को फैशन आइकन के रूप में प्रस्तुत करने का मन भी बनाया गया।